Indian Streams Research Journal
International Recognized Multidisciplinary Research Journal

ISSN 2230-7850 Impact Factor : 3.1560 (UIF) Volume - 6 | Issue - 1 | Feb - 2016

विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

उर्वशी शर्मा[1] , मुरलीधर मिश्रा[2]

[1]एम.एड. छात्रा. शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.

[2]एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.

सारांश

यह अध्ययन विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि की तुलना करने हेतु किया गया। इस वर्णनात्मक सर्वेक्षण के न्यादर्श में सामूहिक खेल खेलने वाली विद्यालय स्तर की 52 तथा विश्वविद्यालय स्तर की 70 खिलाड़ियों का चयन न्यादर्श चयन की 'यादृच्छिक' विधि से किया गया। प्रदत्तों का संकलन चुकुमारी एवं अन्य (2014)' द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत 'आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' की सहायता से किया गया। आध्यात्मिक बुद्धि स्तरों में खिलाड़ियों के वितरण के काईवर्ग मान का परिकलन 3×2 तालिका निर्मित करते हुए किया गया। इस अध्ययन में यह पाया गया कि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं है।

हालाँकि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों का उच्च, सामान्य एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि स्तरों में वितरण बिल्कुल एक सामान नहीं है। विश्वविद्यालय की तुलना में विद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों ने उच्च एवं निम्न आध्यात्मिक बुद्धि की अधिकता दर्शायी है जबकि विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत खिलाड़ियों ने सामान्य आध्यात्मिक बुद्धि अधिक दर्शायी है।

मुख्य शब्दावली : विद्यालय स्तर, विश्वविद्यालय, सामूहिक खेल, आध्यात्मिक बुद्धि, काईवर्ग मान, वर्णनात्मक सर्वेक्षण.

प्रस्तवाना :

मानव जीवन एक अंतहीन संघर्ष है। व्यक्ति की प्रतिरोध और संगतता की शक्ति व उसका मुख्य मजबूत आधार उसके अस्तित्व की गारंटी देता है और उसे इस संघर्ष से निपटने के लिए सबसे अच्छा तरीका क्या है यह सुझाता है। समस्याओं एवं चुनौतियों से का सामना या मुकाबला करना एक गतिशील, सतत, निरंतर प्रगतिशील प्रक्रिया है जो व्यक्ति की पर्यावरण में आने वाली परिवर्तनों के साथ व्यवहार करने में मदद करता है। एम्मोंस (1999) के अनुसार मानव क्षमताओं और क्षमताओं में मनोविज्ञान में विशेष रूप से भावनात्मक बुद्धि के अन्य क्षेत्रों में बुद्धि की अवधारणा के विस्तार के बाद आध्यात्मिक बुद्धि के रूप में एक उत्कल्प प्रस्तावित किया गया है। इन्होंने कहा कि आध्यात्मिक बुद्धि

का उत्कल्प आध्यात्मिकता और बुद्धि का योग है। आध्यात्मिक के लिए यह खोज, पवित्र और परम् अर्थ को अनुभवात्मक तत्वों, उच्च चेतना और अतिक्रमण को दर्शाती है, जबकि आध्यात्मिक बुद्धि ही आध्यात्मिक बुद्धि के कामकाज अनुकूलन के अनुसार भविष्यवाणी करने के लिए इस तरह के विषय पर आकर्षित होने की क्षमताओं पर जोर देती है। वाघन (2002) के अनुसार एक मनोचिकित्सक के रूप में काम करके मेरी धारणा यह है कि आध्यात्मिक बुद्धि - खुले हृदय, मन को प्रकाशित और भूमि पर व्यक्तिगत मानव मन को जोड़ने के लिए अंत निर्हित शक्ति है जो कि आत्मा से प्रेरित होती है। आध्यात्मिक बुद्धि का विकास अभ्यास के साथ किया जा सकता है और यह एक व्यक्ति को भ्रम से युक्त कर वास्तविकता से परिचित करा सकती है। जोहर और मार्शल (2003) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि वह बुद्धि है जिसमें हम हमारे कार्यों एवं जीवन को अधिक विस्तृत, समृद्ध (भाव) अर्थ - प्रदान सन्दर्भ में रख सकते हैं। यह वह बुद्धि है जिसके साथ हम यह जाँच कर सकते हैं कि कोई एक कार्य या कोई एक जीवन-मार्ग दूसरे से अधिक अर्थ-प्रदाय है। जो व्यक्ति आध्यात्मिक बुद्धि से पूर्ण होते हैं उनमें उत्कृष्टता की क्षमता पायी जाती है। परम् (उच्च श्रेष्ठ) चेतना पायी जाती है। उनमें दैनिक गतिविधियों का पवित्र, गंभीर भाव के साथ सामना करने समझने की योग्यता, व्यवहारिक समस्याओं को आध्यात्मिक स्रोतों के द्वारा सुलझाने, सदाचारी गुणों (क्षमा, कृतज्ञता, मानवीयता, सहानुभूति, बुद्धिमता) से सम्बन्धित रहते हैं। आध्यात्मिक बुद्धि का उपयोग अच्छाई और बुराई के प्रश्न से संघर्ष करने एवं अवास्तविक सम्भावनाओं का ज्ञान प्राप्त करने और स्वप्न देखने, आकांक्षा (अभिलाषा) करने मस्तिष्क से भी ऊपर उढ़ने की क्षमताओं के लिए किया जाता है। कुमारी एवं अन्य (2014) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि अन्तर्ज्ञानात्मक रूप में हमारे गहन ज्ञान से उत्पन्न अन्तर्प्रज्ञा एवं गुण है, जिसमें आत्मचेतना, मूल्यचेतना, विवेकशीलता, आत्मसम्मान एवं विश्वास आदि तत्व होते हैं।

शारीरिक क्रियाकलाप तथा बुद्धि के बीच सम्बन्ध क्रीड़ा मनोवैज्ञानिकों के बीच एक गंभीर वाद-विवाद का विषय रहा है। विभिन्न खेल, व्यायाम, क्रीड़ा, खेल-क्रीड़ा आदि कौशल-आधारित क्रियाकलाप हैं। समस्त कुशल प्रक्रिया (गति) के विश्लेषण में बुद्धि का प्रयोग होता है। गतिविधि जितनी अधिक जटिल तथा अधिक व्याख्यात्मक होगी, उसका समावबोध करने में उतनी ही अधिक परिमाण में बुद्धि की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थिति में शिक्षणीयता गतिविधि के अभ्यास पर निर्भर करेगी तथा जितनी अधिक बुद्धि होगी, शिक्षणीयता की संभावना भी उतना ही अधिक होगी। क्रीड़ा क्षेत्र में, विभिन्न खेल-क्रीड़ाओं की युक्तियों में भी बुद्धि का प्रयोग होता है। यदि एक जैसी काया परंतु विभिन्न बुद्धि स्तर वाली दो व्यक्तियों को एक समान स्थितियों तथा क्रीड़ा निष्पति को प्रभावित करने वाली एक जैसे घटकों के साथ क्रीड़ा कार्यों की एक शृंखला सम्पन्न करने के लिए दी जाये तब यह विश्वास करना सर्वथा अतार्किक नहीं होगा कि अधिक बुद्धि वाला व्यक्ति ही श्रेष्ठ सिद्ध होगा। इससे यह यह स्पष्ट है कि क्रीड़ा-उपलब्धि में बुद्धि की भूमिका होती है। बुद्धि एक बहु-मुखी प्राचल है जो सैकड़ों प्रकार से कार्य करती है। यह आवश्यक नहीं कि गणित में प्रज्ञ माना जाने वाला व्यक्ति साहित्यिक अथवा अभियान्त्रिक उपक्रमों भी उतना ही प्रभावी हो। यह बात विपरीत दिशा में भी सत्य हो सकती है। खेल-क्रीड़ा इस मूल तत्व की दृष्टि से कोई अपवाद नहीं है। यह संभव है कि एक अभिजात् वर्ग का खिलाड़ी किसी बुद्धि परख में उच्चांश अंक न प्राप्त कर सके और एक अत्यन्त बुद्धिमान व्यक्ति खेल-क्रीड़ा में उच्च उपलब्धि न प्राप्त कर पाये। खेल-क्रीड़ा में उच्च सफलता प्राप्त करने का कदापि यह अर्थ नहीं कि व्यक्ति बुद्धि स्तर में भी अत्यन्त उच्च पदस्थिति का हो; यह विपरीत क्रम में भी सही है शायद इस स्थिति के कारण चाहे सामान्य जीवन में अथवा खेल-क्रीड़ा में, बुद्धि एक बड़ी पहेली दिखाई देती है। क्रीड़ा-निष्पति में बुद्धि को एक सापेक्ष संघटक मानकर इस पर किए गए अधिकांश अध्ययन सांकेतिक अधिक हैं। क्रैट्टी (1972) ने पाया है कि पूर्वी यूरोप में ओलम्पिक प्रतिस्पर्धाओं में अधिकांश खिलाड़ी कम से कम सामान्य बुद्धि स्तर के है तथा उनका बुद्धि अंक औसत से काफी ऊपर है। किन्तु अब यह स्पष्ट है कि महाविद्यालय के अध्ययन काल में खेल क्रीड़ाओं का अभ्यास करने वाली खिलाड़ियों के बुद्धि-अंक तथा महाविद्यालय में न खेलकर आए खिलाड़ियों के बुद्धि अंक के बीच विभिन्नता पायी गयी है।

प्रस्तुत अध्ययन की सम्प्रत्ययात्मक पृष्ठभूमि में दिये गये विवरण एवं सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के आधार पर शोधकर्ता द्वय के मन में विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि से संबंधित कतिपय प्रश्न उत्पन्न हुए, यथा- विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर

अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि के वितरण की स्थिति कैसी है? क्या विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली सभी खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का स्तर एक समान होता है? क्या आध्यात्मिक बुद्धि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने के विनिश्चन की एक संकेतक है? इन प्रश्नों के उत्तर जानने के लिए विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना तय किया।

अध्ययन उद्देश्य

यह अध्ययन अग्रांकित उद्देश्य की पूर्ति हेतु किया गया है- विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

इस अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों को इस प्रकार परिभाषित किया गया-

अ. विद्यालय स्तर पर अध्ययनरत - प्रस्तुत अध्ययन में विद्यालय स्तर पर अध्ययनरत से तात्पर्य कक्षा ९ से १२ स्तर तक की कक्षाओं में अध्ययनरत होने से है।

ब. विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत - प्रस्तुत अध्ययन में विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत से तात्पर्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर तक की कक्षाओं में अध्ययनरत होने से है।

स. सामूहिक खेल- प्रस्तुत अध्ययन में सामूहिक खेल से तात्पर्य ऐसे खेल से है जिसमें एक दल या समूह में शामिल दो या दो से अधिक खिलाड़ी किसी अन्य दल या समूह के विरुद्ध खेलते हैं। जैसे- शूटिंग, हैण्डबाल, तैराकी, युगल टेनिस, युगल बैडमिण्टन।

द. आध्यात्मिक बुद्धि- यह अन्तर्ज्ञानात्मक रूप में हमारे गहन ज्ञान से उत्पन्न अन्तर्प्रज्ञा एवं गुण है, जिसमें आत्मचेतना, मूल्यचेतना, विवेकशीलता, आत्मसम्मान एवं विश्वास आदि तत्व होते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में कुमारी एवं अन्य (2014) द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' जिसका मापन करता है, वह आध्यात्मिक बुद्धि है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अतः प्रस्तुत शोध की प्रकृति के अनुरूप विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि का वर्णन व व्याख्या करने के लिए सर्वेक्षण अध्ययन की वर्णनात्मक विधि "वर्णनात्मक सर्वेक्षण" विधि का उपयोग किया गया।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययन करने के साथ-साथ सामूहिक खेलों में सहभागिता लेने वाली सभी खिलाड़ी प्रस्तुत शोध अध्ययन की जनसंख्या थी। अध्ययन के न्यादर्श में सामूहिक खेल खेलने वाली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 52 तथा विश्वविद्यालय स्तर की 70 खिलाड़ियों का चयन न्यादर्श चयन की 'यादृच्छिक' विधि से किया गया।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन की पूर्ति हेतु कुमारी एवं अन्य (2014)' द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत 'आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' का उपयोग शोध उपकरण के रूप में किया गया। इस परीक्षण में आध्यात्मिक बुद्धि के प्रत्येक तत्व (आत्म चेतना, मूल्य चेतना, आत्म सम्मान, विवेकशीलता और विश्वास) से सम्बन्धित आठ-आठ पद सहित से कुल 40 पद हैं। परीक्षण-पुनः परीक्षण विधि द्वारा अभिज्ञात विश्वसनीयता गुणांक 0.815 प्राप्त हुआ। आध्यात्मिक बुद्धि के तत्वों के बीच विश्वसनीयता का गुणांक 0.568 से 0.845 के मध्य पाया गया है। इसलिए सहसम्बन्ध गुणांक उच्च श्रेणी का होने के कारण आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण उच्चस्तरीय विश्वसनीयता से युक्त है। विषयगत वैधता की जाँच के लिए आध्यात्मिक बुद्धि

परीक्षण पर विषय-विशेषज्ञों की राय प्राप्त की। आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण के सभी उप परीक्षणों में सम्मिलित पदों की उपयुक्तता के बारे में विषय-विशेषज्ञों की द्वारा दी गयी श्रेणियाँ इस बात की पेशीनगोई करती हैं कि प्रत्येक पद पर विशेषज्ञों द्वारा दी गयी श्रेणियों में निकटतम सहमति है। अतः इस 'आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' की वैधता उच्च स्तर की स्वीकार की गयी है।

प्रदत्तों की प्रकृति

आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण से प्राप्त सामूहिक खेलों में सहभागिता लेने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि के प्रदत्त अंकों में प्राप्त हुए। इन अंकों के आधार पर विभिन्न आध्यात्मिक बुद्धि स्तरों (उच्च, सामान्य एवं निम्न) में आवृत्तियों की गणना की गयी। इस प्रकार प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के अंक एवं आवृत्तियों में प्राप्त होने के कारण प्रदत्तों की प्रकृति 'मात्रात्मक' प्रकार की रही।

अध्ययन का परिसीमन

1. यह अध्ययन आवासीय शैक्षिक संस्थान वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान में अध्ययनरत एवं सामूहिक खेलों में सहभागिता लेने वाली खिलाड़ियों पर किया गया है।
2. प्रस्तुत अध्ययन में आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन 'कुमारी एवं अन्य (2014)' द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण' की सहायता से किया गया है।
3. आध्यात्मिक बुद्धि स्तर में खिलाड़ियों के वितरण के परिकलित काई वर्ग मान के सार्थक होने या सार्थक नहीं होने को अध्ययन का आधार बनाया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन में सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों के आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण पर प्राप्तांकों के आधार पर विभिन्न आध्यात्मिक बुद्धि स्तरों (उच्च, सामान्य, निम्न) में आवृत्तियों की गणना की गयी। आवश्यकतानुसार आवृत्ति-विश्लेषण कर प्राप्त निष्कर्षों की व्याख्या की गयी। सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों के आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण पर प्राप्तांकों के आधार पर खिलाड़ियों आध्यात्मिक बुद्धि के अनुसार तीन वर्गों- उच्च, सामान्य तथा निम्न स्तर में बाँटा गया। सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों के लिए 3×2 तालिका निर्मित करते हुए आध्यात्मिक बुद्धि स्तर में खिलाड़ियों के वितरण के काई वर्ग मान का परिकलन किया गया।

प्रदत्त विश्लेषण एवं निष्कर्ष

शोध परिकल्पना 'विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता पायी जाती है' के परीक्षण हेतु शून्य परिकल्पना 'विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जाती है' का निर्माण किया गया।

तालिका : विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि की तुलना

क्र.सं.	आध्यात्मिक बुद्धि	अध्ययनरत स्तर		योग	काई वर्ग का परिकलित मान
		विद्यालय	विश्वविद्यालय		
1.	उच्च	28	36	64	0.086*
2.	सामान्य	18	26	44	
3.	निम्न	06	08	14	
योग		52	70	122	

मुक्तांश 2 व .05 के विश्वास स्तर पर काई वर्ग तालिका मान=5.991

*सार्थक नहीं

स्तम्भ चित्र : विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि (प्रतिशत में)

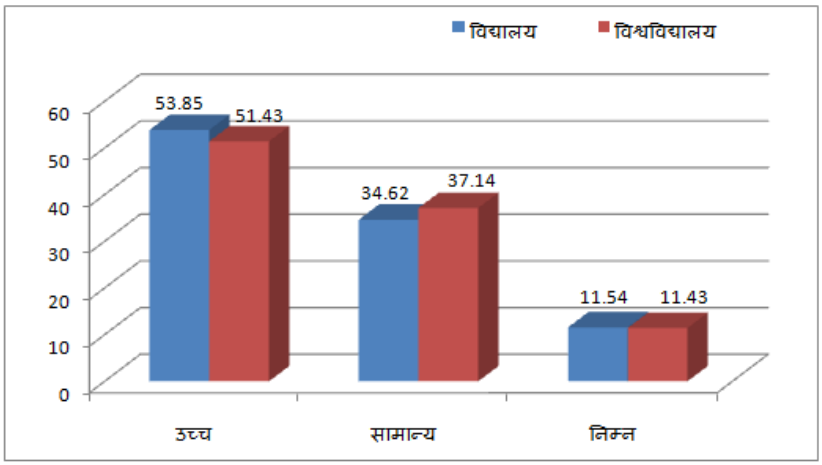

उपर्युक्त तालिका विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि से सम्बन्धित है। इस तालिका के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों का आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण से प्राप्त आध्यात्मिक बुद्धि के तीन स्तरों- उच्च, सामान्य एवं निम्न में खिलाड़ियों के वितरण का परिकलित काई वर्ग मान मुक्तांश 2 व .05 के विश्वास स्तर पर काई वर्ग के तालिका मान से कम है। इसलिए शून्य परिकल्पना 'विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जाती है' स्वीकृत हुई और शोध परिकल्पना 'विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता पायी जाती है' अस्वीकृत हुई। अर्थात् विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जाती है।

निष्कर्ष विवेचना

विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि से सम्बन्धित मूल प्राप्तांकों का साँख्यिकीय विश्लेषण करने पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जाती है। विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि का वितरण की पद्धति लगभग एक समान या एक जैसी है। सम्बन्धित स्तम्भचित्र एवं तालिका के अध्ययन से यह भी पता चलता है कि विद्यालय तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों में से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की तुलना में विद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों ने उच्च आध्यात्मिक बुद्धि स्तर की आध्यात्मिक बुद्धि को अधिक दर्शाया है। जबकि तुलनात्मक रूप से विश्वविद्यालय स्तर के खिलाड़ियों ने सामान्य आध्यात्मिक बुद्धि को अधिक दर्शाया है। हालांकि सामूहिक खेल खेलने वाली दोनों स्तर के खिलाड़ियों में निम्न आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्त हुई है फिर भी तुलनात्मक रूप से विद्यालय में अध्ययनरत सामूहिक खेलों के खिलाड़ियों में निम्न आध्यात्मिक बुद्धि अधिक व्यक्त हुई है।

विद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खिलाड़ियों द्वारा पूरित आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षणों का सूक्ष्मता से अध्ययन करने पर यह पता चलता है कि उच्च आध्यात्मिक बुद्धि का प्रदर्शन करने वाली अधिकांश सामूहिक खेल के खिलाड़ियों ने आध्यात्मिक बुद्धि के अवयवों- आत्म चेतना, मूल्य चेतना, विश्वास, विवेकशीलता तथा

आत्मसम्मान के आधार पर विद्यालय की अपेक्षा विश्वविद्यालय पर अपेक्षानुरूप श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। जबकि औसत आध्यात्मिक बुद्धि का प्रदर्शन करने वाली ज्यादातर खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि के अवयवों- आत्म चेतना, मूल्य चेतना, विश्वास, आत्म सम्मान के आधार विद्यालय की अपेक्षा विश्वविद्यालय पर अपेक्षानुरू श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। लेकिन निम्न आध्यात्मिक बुद्धि का प्रदर्शन करने वाली अधिकांश खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि के अवयवों- विवेकशीलता, विश्वास के आधार पर विश्वविद्यालय की अपेक्षा विद्यालय पर अपेक्षानुरूप श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव

किसी भी सामूहिक खेल में भावनात्मक बुद्धि एवं बुद्धि लब्धि से कहीं ज्यादा आध्यात्मिक बुद्धि का उपयोग अत्यन्त आवश्यक है। आध्यात्मिक बुद्धि के प्रभाव से खेल में आनन्द, शांति एवं सहयोग की भावना का अनुभव किया जा सकता है तथा खेल में विवेकशीलता के माध्यम से खिलाड़ी यह तय कर सकता है कि उसके लिए क्या उपयोगी एवं क्या अनुपयोगी है। इसके माध्यम से खिलाड़ी में आत्मचिन्तन करते हैं और इसके माध्यम से आत्म निर्भरता की भावना का विकास हो सकता है। सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों में आध्यात्मिक बुद्धि का उच्च स्तर होना बहुत आवश्यक है। यदि खिलाड़ी में आध्यात्मिक बुद्धि उच्च होगी तो उनका प्रदर्शन और बेहतर हा सकता है। आध्यात्मिक बुद्धि के कारण खिलाड़ियों में एकाग्रता, स्वयं का अपने पर विश्वास एवं निर्भयता का विकास होता है। खिलाड़ी में आध्यात्मिक बुद्धि की कमी पायी जाती है तो उसमें सकारात्मक भाव (प्रेम, दया, दयालुता, क्षमा, सहानुभूति) इत्यादि कम हो सकते हैं। फलतः नकारात्मक भावों (क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, नफरत, आक्रमणता) की तीक्ष्णता में वृद्धि हो सकती है।

जिन खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि निम्न पायी गयी है उन खिलाड़ियों के साथ हमेशा प्रेम पूर्ण व्यवहार करना चाहिए। छोटी-छोटी बातों में प्रोत्साहित करना चाहिए। खेल के दौरान वह अपनी गुण एवं कमियों का खुद अवलोकन कर पाये उसमें यह क्षमता एवं दक्षता विकसित करनी चाहिए। उनके लिए सर्वप्रथम प्रेम पूर्ण व्यवहार करना, व्यायाम करवाना, छोटी-छोटी बातों में प्रोत्साहित करना। उन्हें उनकी रूचि के अनुरूप खेलने देना तत्पश्चात् खेल में तकनीकों का प्रयोग कैसे करना है यह बताना। इससे उसकी, विवेकशीलता, एकग्रता क्षमता का विकास होगा। यदि खिलाड़ी में प्रेम, क्षमा, दया, दयालुता होगी तब ही उसकी आध्यात्मिक बुद्धि में विकास हो सकेगा। निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाली खिलाड़ी को आरम्भ में पुरस्कार आदि के माध्यम से प्रेरित किया जा सकता है। इसके लिए टेलीविजन पर प्रसारित प्रेरणात्मक कार्यक्रमों का भी उपयोग किया जा सकता है।

जिन खिलाड़ियों में निम्न या औसत आध्यात्मिक बुद्धि पायी गयी है उनका आध्यात्मिक रूप से बौद्धिक विकास करने के लिए भी इस पर प्रयास किये जा सकते हैं। ऐसे खिलाड़ियों को उनकी विशेषताओं से परिचित कराना चाहिए। खिलाड़ी में खेलते समय क्या-क्या गुण पाए जाते हैं उनका अवलोकन निम्न बुद्धि वाली खिलाड़ियों को कराना चाहिए। उच्च आध्यात्मिक बुद्धि स्तर वाली खिलाड़ियों की एकाग्रता अच्छी होती है, ये अपने से अच्छे खिलाड़ी से आगे बढ़ने की अपेक्षा करते हैं। यह इनकी सृजनात्मक विशेषता (गुण) है यदि निम्न आध्यात्मिक बुद्धि वाली खिलाड़ियों को इस प्रकार प्रेरित किया जाये तो वे भी अच्छे या सामान्य खिलाड़ियों को देखकर अपनी आध्यात्मिक बुद्धि के विकासार्थ उपयोगी गतिविधियों में भाग लेने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए उनके अन्दर आत्मविश्वास, आत्मसम्मान एवं आत्म प्रेरणा की इच्छा बढ़ाने की जरूरत है।

विभिन्न आध्यात्मिक बुद्धि स्तर खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर कोच द्वारा भी कतिपय प्रयास किए जा सकते हैं। ऐसे खिलाड़ी जिनकी आध्यात्मिक बुद्धि उच्च पाई जाती है ऐसे खिलाड़ी बहुत कम होते हैं। इन खिलाड़ियों में भावनात्मक बुद्धि के साथ-साथ एवं बुद्धि लब्धि भी सर्वाधिक होती है। चूँकि आध्यात्मिक बुद्धि का सम्बन्ध ‘आत्मा’ से होता है। अतः जिस खिलाड़ी में उच्च आध्यात्मिक बुद्धि पायी जाती है वह पूर्ण रूप से सम्पूर्ण माना जा सकता है एवं वह अपने जीवन में विवेकशीलता, आत्मचेतना, आत्म-मूल्य, दयालुता एवं विश्वास इस गुणों के आधार पर नियन्त्रण लेता है। यह कहा जा सकता है कि उच्च आध्यात्मिक बुद्धि वाला खिलाड़ी चाहे एकल खेल खेले या सामूहिक खेल खेले वह अपनी तरफ से उत्कृष्ट प्रदर्शन अवश्य करेगा। उससे स्वयं की आत्मा पर इतना दृढ़ विश्वास होग्रा कि उसे सामने वाली का भय नहीं होगा। वह अपनी विवेकशीलता के माध्यम से स्वयं ऐसी तकनीकों का उपयोग करता है जो उस समय

प्रयुक्त करनी जरूरी हों इस प्रकार के खिलाड़ी में सकारात्मक भावनायें ज्यादा मौजूद रहती हैं। ऐसे खिलाड़ियों की अपनी समझ का उपयोग प्रशिक्षक खिलाड़ी के खेल में सुधार के लिए कर सकते हैं। जैसे - खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि को ध्यान में रखकर उन खिलाड़ियों की तैयारी कराना, प्रशिक्षण देते समय उन्हें मानसिक एवं भावनात्मक रूप से दृढ़ बनाना और समय-समय पर उनको प्रोत्साहित करते रहना। आवश्यकतानुसार उन्हें पुरस्कार देकर भी उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है, समय-समय पर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सक्षम करना, ऐसे वातावरण से प्रशिक्षण दे जो साफ, शांति एवं प्रेरणादायक हो। इस शोध अध्ययन में विद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि में सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी है। तुलनात्मक रूप से सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों के अधिक व्यापक न्यादर्श पर या प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण के अतिरिक्त किसी अन्य उपकरण का उपयोग करते हुए अध्ययन के इस निष्कर्ष की जाँच की जा सकती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. कोवे, स्टेफेन)2000). दा 8थ हैबिटफ्रॉम इफेक्टिवनेस टू ग्रेटनेस :, साइमन एंड स्चुस्टर, 53.
2. क्रैट्टी, ब्रयन्ट जे) .1972). फिजीकल एक्सप्रेशन ऑफ इंटेलिजेंस, एंगलवुड क्लिप्स, न्यूजर्सीः प्रेन्टिसहॉल.
3. एम्मोंस, आर) .ए.2000). इज स्पिरिचुअलिटी एन इंटेलिजेंस? दा इंटरनेशनल जर्नल फॉर दा साइकोलॉजी ऑफ़ रिलिजन, 10, 27-34.
4. गार्डनर, होवार्ड)2000). इंटेलिजेंस रेफ्रैंड मल्टीपल स्पिरिचुअल इंटेलिजेंसेस फॉर दा :21स्ट सेंचुरी बेसिक बुक्स, 53.
5. गार्डनर, होवार्ड)2000). अ केस अगेंस्ट स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस, दा इंटरनेशनल जर्नल फॉर दा साइकोलॉजी ऑफ़ रिलिजन, जेनुअरि)10)1, 27-34.
6. कुमारी एवं अन्य)2014). आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण विवरणिका, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान.
7. कोएनिग, एच.जी ., मक्कुल्लौघ, एम., एण्ड लार्सन, डी) .बी .2000). दा हैंडबुक ऑफ़ रिलिजन एंड हेल्थ, न्यूयॉर्कऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर :ृसिटी प्रेस, 200.
8. मिश्रा, मुरलीधर एण्ड शर्मा, उर्वशी)2014). एकल तथा सामूहिक खेल खेलने वाली खिलाड़ियों की आध्यात्मिक बुद्धि की तुलनात्मक अध्ययन, लोकमान्य शिक्षक, 43, 40-46.
9. मिश्रा, मुरलीधर एण्ड गुप्ता स्वाति)2013). अ स्टडी ऑफ टीचर एफीकेसी ऑफ मेल एण्ड फिमेल स्कूल टीचर्स इन रेफेरेन्स टू देयर स्प्रीचुअल इन्टेलीजेन्स, गोल्डन रिसर्च थोट्स, 02(09), 35-38.
10. मिश्रा, मुरलीधर एण्ड गुप्ता स्वाति)2014). अ स्टडी ऑफ टीचर एफीकेसी ऑफ रूरल एण्ड अर्बन स्कूल टीचर्स इन रेफेरेन्स टू देयर स्प्रीचुअल इन्टेलीजेन्स, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, सेप्टेम्बर, 01(08), 129-135.
11. मिश्रा, मुरलीधर एण्ड गुप्ता स्वाति)2014). अ स्टडी ऑफ टीचर एफीकेसी ऑफ गवर्नमेंट एण्ड प्राइवेट स्कूल टीचर्स इन रेफेरेन्स टू देयर स्प्रीचुअल इन्टेलीजेन्स, एक्सप्रेशनः अ जर्नल ऑफ सोशियल साइन्स, ऑक्टोबर, 01(01), 13-16.
12. सिम्पिकंस, एम) .2001). स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस, एट http://www:mindwise.come.all
13. सिस्क, डीऔर टारसन्स ., ई) .पी.2001). स्प्रीचुअल इंटेलिजेन्सडवलपिंग हाई कॉन्सियसनेस :, क्रियेटिव एज्यूकेशन फाऊण्डेशन, न्यूयॉर्क.
14. ट्रॉट, डी) .1996). श्रमिकों के लिए आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन, (42), 192-196.
15. वॉघन, एफ) .2003). व्हाट इज स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस? जर्नल ऑफ़ ह्युमनिस्टिक साइकोलॉजी, सेज पब्लिकेशन्स, 42 (2), 16-33.
16. विग्गलेसवोर्थ, सिंडी)2012). एसक्यू 21: दा 21 स्किल्स ऑफ़ स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस, न्यूयॉर्कसेलेक :ृट बुक्स, 7.
17. ज़ोहर, डी) .2000). एसक्यूकनेक्टिंग विथ अवर स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस :, लंदन.ब्लूम्सबरी :

18. जोहर, डीऔर मार्शेल ., आई) .2000). स्प्रीचुअल इंटेलिजेन्स एण्ड सुपर इंटेलिजेन्स, ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग हाऊस, न्यूयॉर्क.

उर्वशी शर्मा
एम.एड. छात्रा. शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.

मुरलीधर मिश्रा
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान.